॥ श्रीहरिः ॥ 39

संक्षिप्त महाभारत

[प्रथम खण्ड]

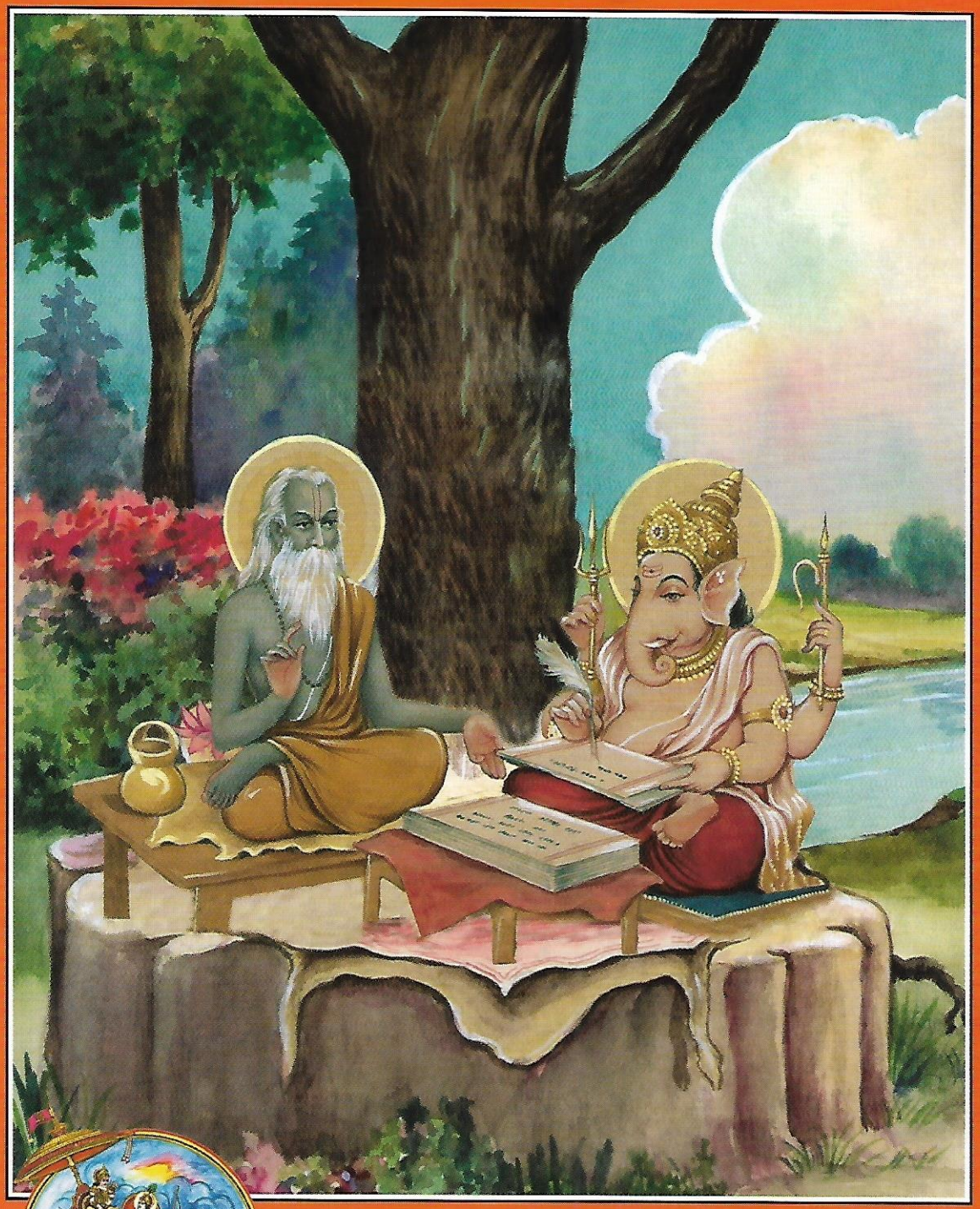

गीताप्रेस, गोरखपुर

॥ श्रीहरिः ॥

संक्षिप्त महाभारत

(प्रथम खण्ड)

[आदिपर्व, सभापर्व, वनपर्व, विराटपर्व, उद्योगपर्व, भीष्मपर्व और द्रोणपर्व]

(महाभारतका सरल, सचित्र हिंदी-अनुवाद)

University Department of Yoga RU
No/PGDY/...268
Library

त्वमेव माता च पिता त्वमेव
त्वमेव बन्धुश्च सखा त्वमेव।
त्वमेव विद्या द्रविणं त्वमेव
त्वमेव सर्वं मम देवदेव॥

सम्पादक तथा संशोधक—
जयदयाल गोयन्दका

DROLIA PUSTAK BHANDAR
Yoga, Ayurveda, Religious Books & Satkarma Acupressure evam Magnate Goods
09458949381, 01334-260614,09837300687
Near Bharat Mata Mandir, Haridwar-249410 (U.K.) INDIA
E-mail : drolia_books@yahoo.co.in
Website : www.droliabooks.com

गीताप्रेस, गोरखपुर

॥ श्रीहरिः ॥

संक्षिप्त महाभारतके भावानुवादकी विषय-सूची

विषय — पृष्ठ-संख्या

आदिपर्व

१-ग्रन्थका उपक्रम..... ३१
२-जनमेजयके भाइयोंको शाप और गुरुसेवाकी महिमा ३४
३-सर्पोंके जन्मकी कथा..... ३९
४-समुद्र-मन्थन और अमृत आदिकी प्राप्ति ४०
५-कद्रू और विनताकी कथा तथा गरुड़की उत्पत्ति..... ४३
६-अमृतके लिये गरुड़की यात्रा और गज-कच्छपका वृत्तान्त..... ४५
७-गरुड़का अमृत लेकर आना और विनताको दासीभावसे छुड़ाना..... ४७
८-शेषनागकी वरप्राप्ति और माताके शापसे बचनेके लिये सर्पोंकी बातचीत..... ४९
९-जरत्कारु ऋषिकी कथा और आस्तीकका जन्म..... ५१
१०-परीक्षित्‌की मृत्युका कारण ५४
११-सर्प-यज्ञका निश्चय और आरम्भ ५६
१२-आस्तीकके वर माँगनेपर सर्प-यज्ञका बंद होना और सर्पोंसे बचनेका उपाय ५८
१३-श्रीवेदव्यासजीकी आज्ञासे वैशम्पायनजीका कथा प्रारम्भ करना..... ६०
१४-भूभार-हरणके लिये देवताओंके अवतारग्रहणके निश्चय..... ६२
१५-देवता, दानव, पशु, पक्षी आदि सम्पूर्ण प्राणियोंकी उत्पत्ति..... ६३
१६-देवता, दानव आदिका मनुष्योंके रूपमें अंशावतार और कर्णकी उत्पत्ति ६५
१७-दुष्यन्त और शकुन्तलाका गान्धर्व-विवाह ६६
१८-भरतका जन्म, दुष्यन्तके द्वारा उसकी स्वीकृति और राज्याभिषेक..... ६८
१९-दक्ष प्रजापतिसे ययातितक वंश-वर्णन .. ७१
२०-कच और देवयानीकी कथा ७२
२१-देवयानी और शर्मिष्ठाका कलह एवं उसका परिणाम..... ७४

विषय — पृष्ठ-संख्या

२२-ययातिका देवयानीके साथ विवाह, शुक्राचार्यका शाप और पूरुका यौवनदान ७६
२३-ययातिका भोग और वैराग्य, पूरुका राज्याभिषेक..... ८०
२४-ययातिका स्वर्गवास, इन्द्रसे बातचीत, पतन, सत्संग और पुनः स्वर्गगमन..... ८१
२५-पूरुवंशका वर्णन..... ८४
२६-राजर्षि शान्तनुका गंगासे विवाह और उनके पुत्र भीष्मका युवराज होना..... ८५
२७-भीष्मकी दुष्कर प्रतिज्ञा और शान्तनुको सत्यवतीकी प्राप्ति..... ८८
२८-चित्रांगद और विचित्रवीर्यका चरित्र, भीष्मका पराक्रम और दृढ़प्रतिज्ञा तथा धृतराष्ट्रादिका जन्म..... ९०
२९-माण्डव्य ऋषिकी कथा..... ९२
३०-धृतराष्ट्र आदिका विवाह और पाण्डुका दिग्विजय..... ९३
३१-धृतराष्ट्रके पुत्रोंका जन्म और नाम..... ९५
३२-ऋषिकुमार किन्दमके शापसे पाण्डुको वैराग्य ९६
३३-पाण्डवोंकी उत्पत्ति और पाण्डुका परलोक-गमन ९८
३४-हस्तिनापुरमें कुन्ती और पाण्डवोंका आगमन तथा पाण्डुकी अन्त्येष्टि-क्रिया १०१
३५-सत्यवती आदिका देह-त्याग और दुर्योधनका भीमसेनको विष देना..... १०२
३६-कृपाचार्य, द्रोणाचार्य और अश्वत्थामाका जन्म तथा उनका कौरवोंसे सम्बन्ध ... १०४
३७-राजकुमारोंकी शिक्षा और परीक्षा तथा एकलव्यकी गुरुभक्ति १०८
३८-रंगमण्डपमें राजकुमारोंके अस्त्रकौशलका प्रदर्शन और कर्णको अंगदेशका राजा बनाना ११०
३९-द्रुपदका पराभव ११३
४०-युधिष्ठिरका युवराजपद, उनके गुणप्रभावकी वृद्धिसे धृतराष्ट्रको चिन्ता, कणिककी कूटनीति ११४

विषय	पृष्ठ-संख्या
६१-पाण्डवोंको वारणावत जानेकी आज्ञा ...	११६
६२-वारणावतमें लाक्षाभवन, पाण्डवोंकी यात्रा, विदुरका गुप्त उपदेश.....	११८
६३-पाण्डवोंका लाक्षागृहमें रहना, सुरंगका खोदा जाना और आग लगाकर निकल भागना	११९
६४-पाण्डवोंका गंगापार होना, कौरवोंके द्वारा उनकी अन्त्येष्टिक्रिया और वनमें भीमसेनका विषाद	१२२
६५-हिडिम्बासुरका वध	१२३
६६-हिडिम्बाके साथ भीमसेनका विवाह, घटोत्कचकी उत्पत्ति और पाण्डवोंका एकचक्रा नगरीमें प्रवेश.....	१२५
६७-आर्त ब्राह्मणपरिवारपर कुन्तीकी दया	१२७
६८-बकासुरका वध.....	१३०
६९-द्रौपदीके स्वयंवरका समाचार तथा धृष्टद्युम्न और द्रौपदीकी जन्म-कथा	१३१
७०-व्यासजीका आगमन और द्रौपदीके पूर्वजन्मकी कथा	१३३
७१-पाण्डवोंकी पंचाल-यात्रा और अर्जुनके हाथों चित्ररथ गन्धर्वकी पराजय	१३३
७२-सूर्यपुत्री तपतीके साथ राजा संवरणका विवाह ..	१३५
७३-ब्रह्मतेजकी महिमा और विश्वामित्रका वसिष्ठकी नन्दिनीके साथ संघर्ष	१३७
७४-महर्षि वसिष्ठकी क्षमा—कल्माषपादकी कथा	१३९
७५-पाण्डवोंका धौम्य मुनिको पुरोहित बनाना	१४१
७६-द्रौपदी-स्वयंवर	१४१
७७-अर्जुनका लक्ष्यवेध और उनके तथा भीमसेनके द्वारा अन्य राजाओंकी पराजय	१४३
७८-कुन्तीकी आज्ञापर द्रौपदीके विषयमें पाण्डवोंका विचार तथा श्रीकृष्ण और बलरामसे भेंट	१४५
७९-धृष्टद्युम्न और द्रुपदकी बातचीत, पाण्डवोंकी परीक्षा और परिचय.....	१४६
८०-व्यासजीके द्वारा द्रौपदीके साथ पाण्डवोंके विवाहका निर्णय.....	१४८
८१-पाण्डवोंका विवाह	१५०
८२-पाण्डवोंको राज्य देनेके सम्बन्धमें कौरवोंका विचार और निर्णय.....	१५०
८३-विदुरका पाण्डवोंको हस्तिनापुर लाना और इन्द्रप्रस्थमें उनके राज्यकी स्थापना.....	१५३
८४-इन्द्रप्रस्थमें देवर्षि नारदका आगमन, सुन्द और उपसुन्दकी कथा	१५५
८५-नियम-भंगके कारण अर्जुनका वनवास एवं उलूपी और चित्रांगदाके साथ विवाह ...	१५८
८६-सुभद्राहरण और अभिमन्यु एवं प्रतिविन्ध्य आदि कुमारोंका जन्म.....	१६१
८७-खाण्डव-दाहकी कथा.....	१६४
सभापर्व	
८८-मयासुरकी प्रार्थना-स्वीकृति एवं भगवान् श्रीकृष्णका द्वारका-गमन	१६९
८९-दिव्य सभाका निर्माण एवं देवर्षि नारदका प्रश्नके रूपमें प्रवचन.....	१७१
९०-देव-सभाओंका कथन और स्वर्गीय पाण्डुका संदेश	१७६
९१-राजसूय-यज्ञके सम्बन्धमें विचार	१७८
९२-जरासन्धके विषयमें भगवान् श्रीकृष्ण और धर्मराज युधिष्ठिरकी बातचीत....	१७९
९३-जरासन्धकी उत्पत्ति और शक्तिका वर्णन	१८१
९४-श्रीकृष्ण, भीमसेन एवं अर्जुनकी मगध-यात्रा और जरासन्धसे बातचीत.....	१८३
९५-जरासन्ध-वध और बंदी राजाओंकी मुक्ति	१८५
९६-पाण्डवोंकी दिग्विजय	१८८
९७-राजसूय-यज्ञका प्रारम्भ.....	१९१
९८-भगवान् श्रीकृष्णकी अग्रपूजा.....	१९४
९९-शिशुपालका क्रोध, युधिष्ठिरका समझाना और भीष्मादिका कथन	१९५
१००-शिशुपालकी जन्म-कथा और वध	१९८
१०१-राजसूय-यज्ञकी समाप्ति	२००
१०२-धर्मराज युधिष्ठिरसे व्यासका भविष्य-कथन	२०१
१०३-दुर्योधनकी जलन और शकुनिकी सलाह	२०२
१०४-दुर्योधन और धृतराष्ट्रकी बातचीत तथा विदुरकी सलाह.....	२०३
१०५-युधिष्ठिरको हस्तिनापुर बुलाना और कपट-द्यूतमें पाण्डवोंकी पराजय.....	२०८
१०६-कौरव-सभामें द्रौपदी.....	२१३
१०७-दुबारा कपट-द्यूत और पाण्डवोंकी वनयात्रा	२२०

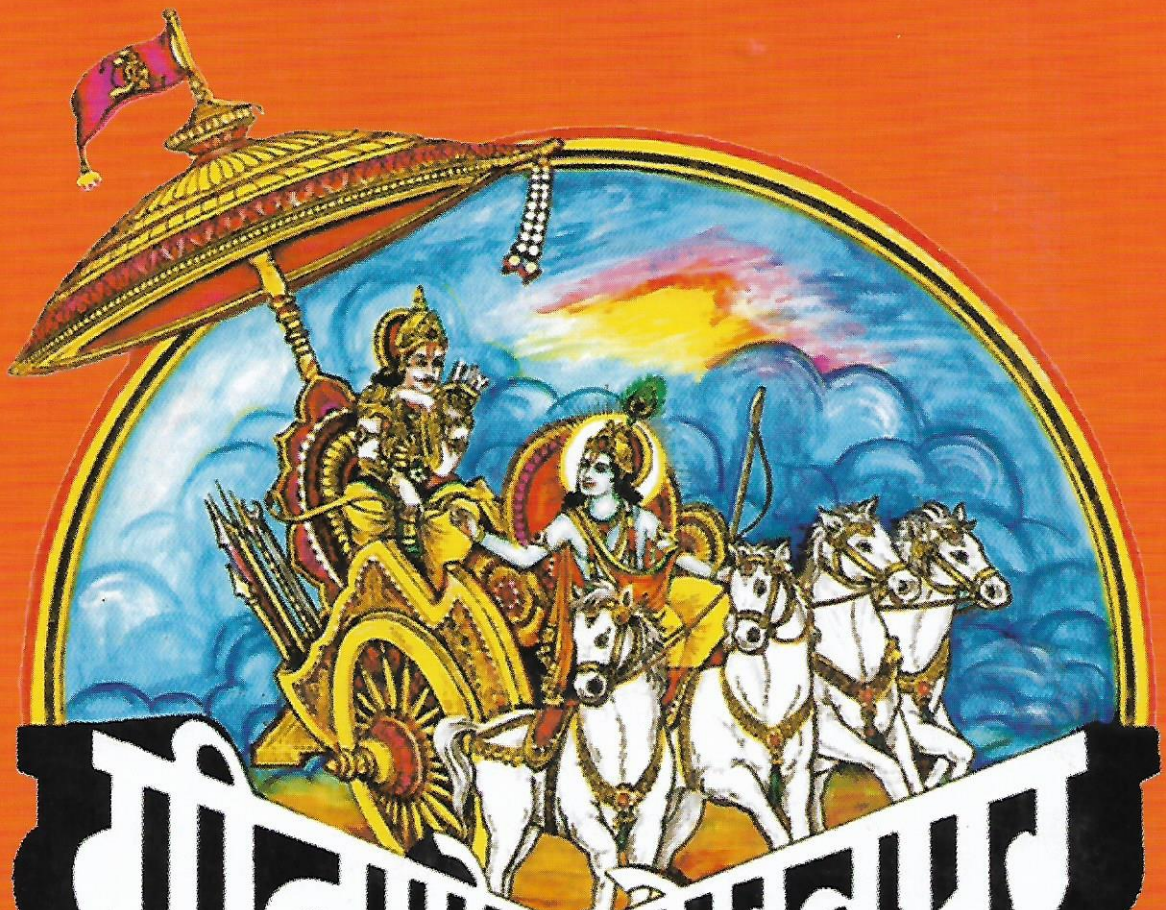

गीताप्रेस गोरखपुर

GITA PRESS, GORAKHPUR [SINCE 1923]

गीताप्रेस, गोरखपुर—२७३००५

फोन : (०५५१) २३३४७२१, २३३१२५०; फैक्स : २३३६९१७